International Journal of Humanities and Social Science Research
www.socialsciencejournal.in
ISSN: 2455-2070
Received: 22-11-2021, Accepted: 07-12-2021, Published: 23-12-2021
Volume 7, Issue 6, 2021, Page No. 105-107

कोविड–19 का उत्तराखंड पर्यटन पर प्रभाव

शिवानी धूलिया[1], रोहित सिंह नेगी[2]

[1] शोध छात्रा, समाजशास्त्र विभाग, राधे हरि राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय काशीपुर उधम सिंह नगर, उत्तराखंड, भारत

[2] सहायक प्राध्यापक (गेस्ट फैकेल्टी), राजकीय महाविद्यालय उफरैंखाल, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड, भारत

सारांश

उत्तराखंड में पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था का एक प्रमुख आधार है। राज्य में पर्यटनआय का एक प्रमुख स्रोत है वही पलायन, बेरोजगारी जैसी समस्याओं के समाधान के लिए भी महत्वपूर्ण है। परंतु पिछले दो वर्षों में उत्तराखंड में पर्यटन विभाग कोरोना महामारी के कारण सबसे अधिक प्रभावित हुआ। उत्तराखंड वित्त विभाग ने अनुमान लगाया है कि राज्य को लॉकडाउन प्रतिबंध के कारण लगभग 7000 से 8000 करोड़ रुपए का राजस्व का नुकसान हुआ है। धार्मिक पर्यटन में मुख्य रूप से चार धाम यात्रा के साथ–साथ, साहसिक पर्यटन तथा इन पर्यटनो से संबंधित रोजगार ध्स्वरोजगार सृजन में स्पष्ट रूप से प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। रोजगार के मामलों में, होटल व्यवसाय से संबंधित 2.5 लाख लोगों ने अपने रोजगार को खोया है।कोरोना महामारी के कारण होटल मालिकों, सड़क किनारे ढाबा चलाने वाले, यात्राओं पर ले जाने वाले संचालकों तथा इससे संबंधित जुड़े हुए लोगों को भी अनेक प्रकार के समस्याओं का सामना करना पड़ा है। प्रस्तुत अध्ययन में द्वितीय स्रोत से प्राप्त तथ्यों के आधार पर कोविड–19 का उत्तराखंड पर्यटन पर प्रभाव का विश्लेषण किया गया है। अंत में प्राप्त आंकड़ों के आधार पर निष्कर्षों को प्रस्तुत किया गया है।

मूल शब्दः उत्तराखंड, पर्यटन, कोविड–19, लॉकडाउन, अर्थव्यवस्था, धार्मिक पर्यटन, साहसिक पर्यटन, रोजगार, होटल व्यवसाय

प्रस्तावना

हिमालय पर्वत श्रृंखला के तलहटी में स्थित उत्तराखंड भारत के उत्तरी भाग मे एक राज्य है जिसे देवभूमि के नाम से भी जाना जाता है। उत्तराखंड राज्य की स्थापना 9 नवंबर 2000 को भारत के 27वें राज्य के रूप मेंहुई हैजिसके उत्तर में चीन (तिब्बत) और पूर्व नेपाल के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमाएं, वही उत्तर पश्चिम में हिमाचल प्रदेश जबकि दक्षिण में उत्तर प्रदेश की सीमाएं है। 2011 की जनगणना के अनुसार उत्तराखंड की जनसंख्या 101.17 लाख तथा साक्षरता दर 79. 63 प्रतिशत है। उत्तराखंड राज्य को 13 जिलों(अल्मोड़ा, पिथौरागढ़, नैनीताल, बागेश्वर, चंपावत, उधम सिंह नगर, टिहरी, चमोली, पौड़ी उत्तरकाशी, देहरादून, हरिद्वार, रुद्रप्रयाग) के साथ दोमंडलोगढ़वाल और कुमाऊं मंडल में विभाजित किया गया है।

उत्तराखंड राज्य भारत की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था वाला राज्य है। उत्तराखंड की अर्थव्यवस्था की वृद्धि में कृषि क्षेत्रसबसे महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसके अतिरिक्त प्रमुख उद्योगों में पर्यटन और जल विद्युत शामिल है।पर्यटन ना केवल 2006–2007 से 2016–2017 तक कुल जीएसडीपी में 50: से अधिक योगदान देता है बल्कि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में लोगों के लिए रोजगार एवं आजीविका के अवसर भी प्रदान करता है।राज्य में धार्मिक पर्यटन के अतिरिक्तपर्यटन के क्षेत्र में ग्रामीण पर्यटन, ईकोटूरिज्म, साहसिक पर्यटन प्रमुख है।

उत्तराखंड हमेशा से ही राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटको के लिए आकर्षण का केंद्र रहा है। उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2019–2020 के अनुसार राज्य में आने वाले घरेलू पर्यटकों की संख्या प्रति वर्ष लगभग 3.5 करोडहै इनमें से 44.2: पर्यटक तीर्थ यात्रा केलिए आते हैंऔर एक बड़ी संख्या में 43. 6:पर्यटक छुट्टियांध्दार्शनिक स्थलों की यात्रा में आते हैं। धार्मिक पर्यटन में हिंदुओं के विश्व प्रसिद्ध चार धाम श्री बद्रीनाथ, केदारनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री इसी प्रकार के अनेक मंदिरों पवित्र तीर्थ स्थल राज्य में पर्यटन का प्रमुख केंद्र हैं। हिंदू के धार्मिक स्थलों के अतिरिक्त अन्य धर्मों में सिख धर्म के पवित्र स्थल हेमकुंड साहिब, नानकमत्ता व मीठा रीठा साहिब, वही मुस्लिम धर्म का पवित्र स्थल पिरान कलियर भी स्थित है। यदि हम धार्मिक नगरों की बात करें तो ऋषिकेश, हरिद्वार में लाखों पर्यटक आते हैं। वही नंदा देवी राजजात यात्रा, कैलाश मानसरोवर यात्रा, कांवड़ यात्रा ऐसे प्रमुख यात्राएं हैं जिसमें बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं।

राज्य में आर्थिक विकास के लिए पर्यटन एक महत्वपूर्ण क्षेत्र है। इसलिए 2018 में राज्य सरकार द्वारा नई पर्यटन नीति लाई गई जिसमें पर्यटन को उद्योग का दर्जा दिया गया। नीति का उद्देश्य मध्य हिमालय क्षेत्र को 'सुरक्षित और पर्यटन के अनुकूल' गंतव्य के रूप में विकसित करना है।पर्यटन क्षेत्र में स्थानीय युवाओं के लिए उद्यमिता के रास्ते बनाकर रोजगार तथा पलायन की समस्या को कम करना है।इसी संदर्भ मेंउत्तराखंड सरकार द्वारा ग्रामीण पर्यटन के विकास में होम स्टे योजना,वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजनाकी शुरुआत गई की है जिसका उद्देश्य उत्तराखंड में हो रहे पलायन को रोकने के साथ–साथ रोजगार को बढ़ावा देना है। साहसिक पर्यटन कोबढ़ानाइ सके अंतर्गत राज्य में माउंटेनियरिंग, रिवर, राफ्टिंग, ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग, कैंपेनिंग आदि का विकास करके राज्य में रोजगार की संभावनाओं को बढ़ाना है। उत्तराखंड को पर्यटन के क्षेत्र में इन्हीं प्रगतिशील कार्य हेतु 2017–18 में भारत द्वारा बेस्ट एडवेंचर डेस्टिनेशन अवार्ड फॉर ऋषिकेश को 'राष्ट्रीय टूरिज्म अवार्ड' प्रदान किया गया। 2019 में भारत सरकार द्वारा प्रदेश को 'बेस्ट फिल्म प्रमोशन फ्रेंडली स्टेट अवार्ड 'प्रदान किया गया।

लेकिन पिछले दो वर्षों में कोविड–19 की पहली तथा दूसरी लहर ने राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था को बुरे तरीके से प्रभावित किया है। 2019 के अंत में चीन से निकले इस वायरस ने पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले लिया है। यह वायरस अपना रूप बदल के मानव जाति के सामने एक खतरा बना है जिसके समाप्त होने काएक निश्चित समय बता पाना

किसी भी देश के वैज्ञानिक द्वारा संभव नहीं है। कोरोना महामारी ने आर्थिक गतिविधियों और सामान्य जनजीवन को ठप कर दिया है। कोविड–19 जहां स्वास्थ्य के लिए एक बहुत बड़ा संकट उत्पन्न हुआ वहीं दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था में गिरावट के साथ ही अर्थव्यवस्था के विकास में अनेक चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। अर्थव्यवस्था में पहली लहर के मुकाबले दूसरी लहर का काफी लंबे समय तक नकारात्मक प्रभाव देखने को मिला।

पहली लहर में ग्रामीण वृद्धि और रोजगार ने अर्थव्यवस्था की गिरावट को संभाल लिया था लेकिन दूसरी लहर में ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते संक्रमण और लॉकडाउन की स्थिति में ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 13.5 फीसदी तक पहुंच गई जबकि शहरी क्षेत्रों में बेरोजगारी दर 17.4 फीसदी है। वहीं यदि हम उत्तराखंड राज्य की बात करें तो राज्य वित्त आयोग के अनुसार महामारी तथा इससे संबंधित प्रतिबंधों के कारण राज्य को लगभग 7000 से 8000 करोड़ रुपए का राजस्व का नुकसान हुआ है।महामारी के दौरान उत्तराखंड के औद्योगिक क्षेत्र को भी घाटा का सामना करना पड़ा। वर्ष 2018–19 में जहां उद्योगों में निवेश 1536 करोड रुपए था वही वर्ष 2019–20 में यह बढ़कर 17031 करोड़ रुपए हुआ लेकिन वर्ष 2020–21(जनवरी 2021) में मात्र 635.47 करोड़ रुपए का निवेश हुआ। लॉकडाउन के कारण बंद हुए परिवहन सेवाओं के कारण उत्तराखंड राज्य को दिसंबर 2020 तक 14954.58 लाख तक का घाटा हुआ है।

कोविड–19 के कारण सामाजिक दूरी, मास्क प्रोटोकॉल और लॉकडाउन नेउत्तराखंड में पर्यटन के क्षेत्र को भी नुकसान हुआ है। महामारी बढ़ने के कारण अनेक यात्रियों ने होटल की बुकिंग रद्दकर दी। जिससेपर्यटन से संबंधित टूर, ट्रेवल और होटल व्यवसाय से जुड़ेलोगों की आजीविका पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है।राज्य में पर्यटन उद्योग को वर्ष 2020 में लगभग 16000 करोड रुपए का नुकसान हुआ है। कोरोना महामारी के कारण जहां एक ओर अर्थव्यवस्था चौतरफा चुनौतियों से घिरी हुई है वही महंगाई और बेरोजगारी ने विकराल रूप धारण कर लिया है।

शोध पद्धति

प्रस्तुत अध्ययन में तथ्यों के संकलन के लिए द्वितीयक स्रोतों का प्रयोग किया गया है। अध्ययन के लिए विभिन्न प्रकाशित रिपोर्टों जैसे उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2019–2020, उत्तराखंड आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2020–2021, प्रमुख पत्रिकाएं, समाचार पत्रों, इंटरनेट और विषय से संबंधित शोध पत्र के माध्यम से आंकड़ों का संकलन किया गया है।

कोविड–19 का उत्तराखंड पर्यटन पर प्रभाव

धार्मिक पर्यटन

कोरोना महामारी के कारण धार्मिक पर्यटन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है। चार धाम यात्रा से संबंधित व्यवसायियों को नुकसान उठाना पड़ा है। कोविड–19 के कारण लॉकडाउन की स्थिति में पर्यटको की संख्या धार्मिक स्थलों पर अपेक्षाकृत कम रही है। जिसे निम्नलिखित सारणी द्वारा समझाया गया है–

तालिका 1: चार धाम यात्रा एवंहेमकुंड साहिब में आए घरेलूपर्यटकधविदेशी पर्यटक की संख्या

क्रम संख्या	प्रमुख धाम	वर्ष 2019 में आए घरेलू पर्यटक की संख्या	वर्ष 2019 में आए विदेशी पर्यटक की संख्या	वर्ष 2020 में आए घरेलू पर्यटक की संख्या	वर्ष 2020 में आए विदेशी पर्यटक की संख्या
01	बद्रीनाथ	9,98,956	1065	1,35,287	62
02	केदारनाथ	12,44,100	893	1,55,009	46
03	गंगोत्री	5,29,880	454	23,736	38
04	यमुनोत्री	4,65,111	423	7,717	11
05	हेमकुंड साहिब	2,39,910	223	8,290	00
	कुल	34,77,957	3,058	3,30,039	157

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि चार धाम यात्रा एवं हेमकुंड साहिबकी यात्रा करने वाले पर्यटकों की संख्या में कमी आई है। कोरोनामहामारी के कारण वर्ष 2019 की तुलना में 2020 में यात्रा करने वाले घरेलू पर्यटकों की संख्या में 90:की कमी आई है। वहीं यदि विदेशी पर्यटकों की बात करें तो 2019 की तुलना में 2020 में यात्रा करने वाले विदेशी पर्यटका`की संख्या में 95: की कमी आई है।

ग्रामीण पर्यटन

ग्रामीण पर्यटन के विकास में उत्तराखंड सरकार द्वारा वीर चंद्र सिंह गढ़वाली पर्यटन स्वरोजगार योजना युवाओं को रोजगार के अवसर तलाशने की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है। परंतु कोविड–19 तथा लॉकडाउन के कारण जहां 2019–20 में इस योजना के अंतर्गत प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों की संख्या 194 थीं, वही 2020–21 में लाभार्थियों की संख्या घटकर 116 हो गई।

वही अतिथि उत्तराखंड गृह आवास (होम स्टे) योजना जिसका उद्देश्य विदेशी और घरेलू पर्यटकों को ग्रामीण क्षेत्रों की परंपराओं,संस्कृति का अनुभव कराना है। इसके अंतर्गत ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में पंजीकृत इकाइयों को निम्नलिखित सारणी में प्रदर्शित किया गया है –

तालिका 2: अतिथि उत्तराखंड गृह आवास (होम स्टे) योजना पंजीकृत इकाइयों का जनपदवार विवरण

क्रम संख्या	जनपद	वर्ष 2018–2019	वर्ष 2019–2020	वर्ष 2020–2021
01	देहरादून	211	220	77
02	हरिद्वार	13	05	03
03	टिहरी	95	51	33
04	उत्तरकाशी	60	195	57
05	रुद्रप्रयाग	57	69	25
06	पौड़ी	19	76	14
07	चमोली	125	195	61
08	नैनीताल	149	127	64

09	अल्मोड़ा	59	85	30
10	पिथौरागढ	141	177	85
11	चंपावत	05	29	51
12	उधम सिंह नगर	02	06	00
13	बागेश्वर	29	27	37
	कुल	965	1262	437

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है किलॉकडाउन तथा कोरोनामहामारी की स्थिति में होमस्टे योजना के अंतर्गत आवेदनों में कमी आई है। 2018 में होमस्टे योजना के अंतर्गत आवेदनों में 31: वृद्धि देखी गई वहीं 2019 की तुलना में 2020 मेंयोजना के अंतर्गत आवेदनों में 65:कमी आई है।

साहसिक पर्यटन

उत्तराखंड में कोविड–19 के कारण धार्मिक पर्यटन के साथ साथ ही साहसिक पर्यटन से संबंधित क्रियाकलापो में नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। साहसिक पर्यटन से जुड़े बड़े व छोटे व्यापारियों को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से हानि हुई है। प्रस्तुत सारणी में साहसिक प्रशिक्षण के अंतर्गत होने वाले क्रियाकलापों की संख्या प्रदर्शित कीगई है जो निम्नलिखित है–

तालिका 3: साहसिक प्रशिक्षण के अंतर्गत होने वाली क्रियाकलापों की संख्या

क्रम संख्या	योजना का नाम	वर्ष	संख्या
01	साहसिक क्रियाकलाप	2019.20	949
02	साहसिक क्रियाकलाप दिसंबर 2020 तक	2020.21	00

उपरोक्त तालिका से स्पष्ट है कि साहसिक प्रशिक्षण के अंतर्गत होने वाले क्रियाकलापों की संख्यावर्ष 2019.20की तुलना मेंवर्ष 2020.21कमी आई है।

पर्यटन से संबंधित रोजगार

कोरोना महामारी ने पर्यटन परिवहन और उसे संबंधित विभिन्न व्यवसाय को सर्वाधिक प्रभावित किया है। इस महामारी में लॉकडॉउन की पाबंदियों तथा महामारी को रोकने से संबंधित नियमोंके कारण सबसे अधिक लोगों के रोजगार और आजीविका पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। यदि हम रोजगार की बात करें तो होटल व्यवसाय में कार्यरत लगभग 2.5 लाख लोगों ने जून 2020 तक अपनी नौकरियां खोई है।

निष्कर्ष

कोरोना महामारी ने हमारे जीवन जीने के तरीकों में बदलाव लाया है। इस महामारी के दौरान मानसिक समस्याओं के साथ–साथ अनेक सामाजिक– आर्थिक समस्याओं का भी लोगों को सामना करना पड़ा है। लेकिन यह देखा गया है कि लोगों ने पर्यटन या यात्राओं को कोरोना महामारी से उत्पन्न नकारात्मक वातावरण को दूर करने रूप में देखा है। इसलिए आवश्यक है देश तथा राज्य स्तर पर पर्यटन अर्थव्यवस्था को सुधारा जाए। अध्ययन में पाया गया है कि कोरोनामहामारी के कारण पर्यटन तथा उससे जुड़े हुए लोगों की आर्थिक स्थिति पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।अतःउत्तराखंड राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ऐसे वातावरण का निर्माण किया जाए जो कि पर्यटकों को आकर्षित करें साथ ही पर्यटन से जुड़े हुए व्यवसायियों तथा लोगों को आर्थिक सहायता प्रदान कर पर्यटन केनये क्षेत्रों को विकसित किया जाए।

संदर्भ सूची

1. जोशी, प्रेमचंद्र, जाग उठा हैः उत्तराखंड, ध्यानी बुक डिपो गढ़वाल,2008–09
2. शाह,सरिता, उत्तराखंड आध्यात्मिक पर्यटन मंदिर एवं तीर्थ स्थान, गीतिका प्रकाशन साहित्य विहार बिजनौर,1999
3. आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2019–2020
4. आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2020 –2021
5. इंडिया टुडे
6. https://uk.gov.in
7. https://uttarakhandtourism.gov.in
8. https://www.hindustantimes.com
9. https://www.jagran.com